YOUNG INDIA > YOUNG PAPER

नवभारत टाइम्स

नई दिल्ली › मंगलवार, 11 अगस्त 2020 › श्रावण 20 शक संवत 1942 भाद्रपद कृष्ण सप्तमी विक्रम संवत 2077 www.navbharatgold.com पेज 14› मूल्य 4.50 या 8.50 रुपये द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

घर की आस

आरबीआई की ओर से मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं होने पर बोले बिल्डर

रियल एस्टेट को मिलेगी संजीवनी, बायर्स को होगा फायदा

■ **विस, ग्रेनो:** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से गुरुवार को मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव न होने से रियल एस्टेट सेक्टर को संजीवनी मिलने की उम्मीद है। रेपो दर को 4 प्रतिशत पर ही रखा गया है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद कहा कि आरबीआई का रुख उदार बना रहेगा। आर्थिक गतिविधियों में सुधार की शुरुआत हो गई थी, लेकिन कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ने से लॉकडाउन लगाने को मजबूर होना पड़ा।

बाजार को उम्मीद

04% पर ही रखा गया है रेपो दर को

25 बीपीएस की कटौती उम्मीद कर रहे थे रेपो दर में

अफोर्डेबल हाउसिंग कमिटी, क्रेडाई (नेशनल) के चेयरमैन और गौड़ ग्रुप के एमडी मनोज गौड़ का कहना है कि रियल एस्टेट सेक्टर को इस समय सहारे की जरूरत है। अपरिवर्तित रेपो दर के निर्णय को हम भली भांति समझते हैं, लेकिन सेक्टर को अन्य कई उपायों की आवश्यकता है। इस समय रियल एस्टेट सेक्टर में खरीदारों का रुख ज्यादा देखा जा रहा है, क्योंकि अभी तक इससे कम ईएमआई की दरें पहले कभी नही थी। इसके साथ ही डिवलपर्स को कुछ हस्तक्षेपों की भी आवश्यकता होती है जो उन्हें विकास की प्रक्रिया को तेज करने में मदद कर सकते हैं। क्रेडाई पश्चिमी यूपी के अध्यक्ष एवं एबीए कॉरपोरेट के डायरेक्टर अमित मोदी कहते हैं कि रेपो दर में 25 बीपीएस की कटौती उम्मीद कर रहे थे। महामारी के कारण उपभोक्ता का विश्वास कम हो रहा है। रियल एस्टेट सेक्टर संघर्ष के दौर से गुजर रहा है, लेकिन सरकार के प्रयासों की सराहना करते हैं। इंतजार है कि जब रियल एस्टेट बाजार में अधिक मांग पैदा करने वाले फैसले होंगे। ऋण पुनर्गठन आने वाले वर्षों में डिवेलपर्स के लिए रियल एस्टेट के दृष्टिकोण को मजबूत करेगा। भूटानी ग्रुप के एमडी आशीष भूटानी कहते हैं कि आरबीआई ने मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दरों को अपरिवर्तित रखा है। उम्मीद कर रहे हैं कि कुछ अन्य प्रकार की छूट होगी। साया होम्स के सीएमडी विकास भसीन ने कहा है कि अर्थव्यवस्था को हुए नुकसान को दूर करने के लिए पहले की तरह प्रयास कर रहे हैं। रेपो रेट न बढ़ने खरीदारों को फायदा पहुंचा रहे हैं। रियल एस्टेट एक चुनौतीपूर्ण चरण से गुजर रही है और हम शीर्ष बैंक से अनुरोध करेंगे कि एक बार के ऋण पुनर्गठन पर विचार करें जो कि लंबे समय से चली आ रही मांग को जल्द से जल्द मंजूरी दी जाए।

#MISSION आज़ादी
VALID TILL 15TH AUG.
HELPLINE NUMBER
8010 10 10 10

अफोर्डेबल हाउसिंग कमिटी, क्रेडाई (नेशनल) के चेयरमैन और गौड़ ग्रुप के एमडी मनोज गौड़ का कहना है कि रियल एस्टेट सेक्टर को इस समय सहारे की जरूरत है। अपरिवर्तित रेपो दर के निर्णय को हम भली भांति समझते हैं, लेकिन सेक्टर को अन्य कई उपायों की आवश्यकता है। इस समय रियल एस्टेट सेक्टर में खरीदारों का रुख ज्यादा देखा जा रहा है, क्योंकि अभी तक इससे कम ईएमआई की दरें पहले कभी नही थी। इसके साथ ही डिवलपर्स को कुछ हस्तक्षेपों की भी आवश्यकता होती है जो उन्हें विकास की प्रक्रिया को तेज करने में मदद कर सकते हैं।